पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

———

राज्यपाल ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ की टीम को नैक में 'ए प्लस प्लस' प्राप्त होने के उपलक्ष्य में प्रशस्ति–पत्र दिया

———

नैक मूल्यांकन में बतायी गई कमियों को दूर करके आगे के लक्ष्य निर्धारित करें

———

एन.आई.आर.एफ. तथा क्यू.एस. वर्ल्ड रैंकिंग के लिए तैयारी करें

———

छत्रपति शाहूजी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुए शिक्षा मंथन–2023 से प्राप्त अनुभवों का उपयोग करें

———

शोध और नवाचारों को समसामायिक और उपयोगी बनाएं

———

नैक की तैयारी में योगदान देने वाले विद्यार्थियों के अनुभवों पर पुस्तक बनाकर रिलीज करें

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———

विश्वविद्यालय की नैक टीम ने राज्यपाल से साझा किए तैयारी के अनुभव

———

लखनऊः 10 जुलाई, 2023

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन में नैक मूल्यांकन में उच्चतम 'ए प्लस प्लस' ग्रेड प्राप्त चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ की नैक टीम को प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि नैक मूल्यांकन हेतु की गई तैयारियों ने विश्वविद्यालय में एक सकारात्मक और उत्कृष्ट शैक्षिक वातावरण बनाया है, रचनात्मकता को बढ़ावा मिला है। इसे निरंतरता से आगे बढ़ाने के लिए मूल्यांकन हेतु

आयी नैक की पियर टीम ने जो भी कमियाँ बताई हैं, उन्हें दूर करके आगे का लक्ष्य निर्धारित करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आगे नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क और क्यू0एस0 वर्ल्ड रैंकिंग के मूल्यांकन मानकों पर तैयारी करके अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय को प्रति पाँच वर्ष पर होने वाले नैक मूल्यांकन हेतु वार्षिक तैयारियों को निरंतरता से जारी रखने का निर्देश भी दिया।

इसी क्रम में राज्यपाल जी ने छत्रपति शाहू जी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर में गत दो दिन चले शिक्षा मंथन–2023 की चर्चा करते हुए कार्यशाला से प्राप्त अनुभवों का उपयोग करने को कहा। उन्होंने कहा कि नैक के मूल्यांकन मानकों तथा एन0आई0आर0एफ0 एवं क्यू0एस0 वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के मूल्यांकन मानकों की परस्पर समानता और भिन्नता का अध्ययन करके उसी आधार पर प्रतिवेदन डाटा तैयार किया जाए। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय को शोध और नवाचारों में भी व्यापक दृष्टिकोण अपनाने को कहा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतरता से अध्ययन करे कि देश में किन क्षेत्रों में वृहद योजनाएं क्रियान्वित हैं। उसी दिशा में योगदान देने वाले शोध और नवाचार भी विकसित करें।

विश्वविद्यालय की नैक टीम के साथ चर्चाओं के मध्य राज्यपाल जी के समक्ष विद्यार्थियों के वृहद योगदान का तथ्य भी आया। राज्यपाल जी ने निर्देश दिया कि तैयारी में योगदान देने वाले विद्याथियों के अनुभवों को संग्रहीत कर पुस्तक रिलीज की जाए।

बैठक में राज्यपाल जी से टीम के प्रत्येक सदस्य ने नैक मूल्यांकन की तैयारी से जुड़े कार्यगत और व्यक्तिगत अनुभव भी साझा किए। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 संगीता शुक्ला ने बताया कि राज्यपाल जी के निर्देश में के0जी0 टू पी0एच0डी0 की नीति पर शैक्षिक उत्थान का कार्य हुआ। टीम वर्क से ये उपलब्धिपरक सफलता प्राप्त हुई। उन्होंने

कहा कि प्रत्येक स्तर पर अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ–साथ विद्यार्थियों के शत्–प्रतिशत् योगदान से उत्कृष्टता का स्तर प्राप्त करना सम्भव हुआ है। उन्होंने राजभवन से प्राप्त दिशा–निर्देश के लिए विशेष धन्यवाद दिया।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री पंकज जॉनी, विश्वविद्यालय की नैक टीम के सभी सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

———————

डॉ0 सीमा गुप्ता,
सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र 8318116361